कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–132

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य) संस्कृत

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.सी.–132 : संस्कृत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) दिये गये निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iii)प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

1. अधोलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 2×20=40

(क) यथा यथा चेयं चपला दीप्यते तथा तथा दीपशिखेव कज्जलमलिनमेव कर्म केवलमुद्वमति। तथाहि। इयं संवर्धनवारिधारा तृष्णाविषवल्लीनाम्,

व्याधगीतिरिन्द्रियमृगाणाम्, परामर्शधूमलेखा सच्चरितचित्राणाम्, विभ्रमशय्यामोहदीर्घनिद्राणाम्, निवासजीर्णवलभी धनमदपिशाचिकानाम्, तिमिरोद्गतिः शास्त्रदृष्टीनाम्, पुरःपताका सर्वाविनयानाम्, उत्पत्तिनिम्नगा क्रोधावेगग्राहाणाम् आपानभूमिर्विषयमधूनाम्।

अथवा

जातुषाभरणानीव सोष्माणं न सहन्ते, दुष्टवारणा इव महामानस्तम्भनिश्चलीकृताः न गृह्णन्ति उपदेशम्, तृष्णाविषमूर्च्छिताः कनकमयमिव सर्वं पश्यन्ति, इषव इव पानवर्धिततैक्ष्ण्याः परप्रेरिताः विनाशयन्ति, दूरस्थितान्यपि फलानीव दण्डनिक्षेपैः महाकुलानि शातयन्ति।

(ख) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीण–ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपर लोमश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये

च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

अथवा

तदाकर्ण्य विविध–भाव–भङ्ग–भासुर–वदनो योगिराजो मुनिराजं तत्सहचरांश्च निपुणं निरीक्ष्य, तेषामपि शिववीरान्तरङ्गतामङ्गीकृत्य, मुनिवेषव्याजेन स्वधर्मरक्षा व्रतिनश्चाररीकृत्य 'विजयतां शिववीरः, सिद्धयन्तु भवतां मनोरथाः' इति मन्दं व्याहार्षीत्।

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***1000*** *शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए।* *2×15=30*

2. गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'शुकनासोपदेश' के अनुसार लक्ष्मी के दोषों का वर्णन कीजिए।

3. दण्डी के जीवनवृत्त, कर्तृत्व तथा शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'शिवराजविजय' के साहित्यिक मूल्यांकन का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***250–250*** *शब्दों में दीजिए।* *5×6=30*

4. 'शिवराजविजय' के अनुसार शिवाजी के चरित्र-चित्रण का वर्णन कीजिए।

5. 'वेतालपंचविंशतिका' की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

6. 'शुकनासोपदेश' में वर्णित सामाजिक और राजनैतिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

7. बाणभट्ट की वर्णनशैली पर प्रकाश डालिए।

8. 'सुबन्धु' के कृतित्व का वर्णन कीजिए।

9. बाणभट्ट ने धनलोलुप राजा का क्या स्वरूप बताया है ? स्पष्ट कीजिए।

10. यवन युवक और गौर सिंह के मध्य हुए वार्तालाप का वर्णन कीजिए।